अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2012) | दिनांक 24.12.2012

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

जैन तत्त्वविद्या – 50

प्र.1 किन्हीं पन्द्रह प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें – 15

(क) संज्वलन मान किसके समान है? (ख) वस्तु बोध की चार दृष्टियाँ कौन सी है?

(ग) पर्युपासना के दस भेदों में 'श्रवण' का अर्थ क्या है? (घ) अप्रमाद संवर क्या है?

(ङ) सम्यक्त्व के पाँच भेदों में 'स्थैर्य'का अर्थ लिखें? (च) पान पुण्य किसे कहते हैं?

(छ) अठारह पाप में अभ्याख्यान का अर्थ बतायें?

(ज) चार प्रकार के देवताओं के इन्द्र कितने होते हैं? (झ) गति किसे कहते हैं?

(ञ) पृथ्वीकाय का दण्डक कौनसा है? (ट) गुणस्थान किसे कहते हैं?

(ठ) अनन्तानुबंधी चतुष्क से किसका अभिघात होता है?

(ड) कर्म के चार कार्य कौन से हैं? नाम बतायें।

(ढ) एक कर्म (सात वेदनीय) का बंध कौन–कौन से गुणस्थान में होता है?

(ण) श्रमण धर्म के दस प्रकारों में 'क्षांति' की व्याख्या करें।

(त) संयम का अर्थ लिखें। (थ) देवों के कितनी पर्याप्ति मानी गयी है?

प्र.2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें – 15

(क) सत् के तीन लक्षण कौन से हैं? वर्णन करें?

(ख) आहारक व केवली समुद्घात का वर्णन करें?

(ग) मिथ्यात्व के पाँच प्रकारों में से सांशयिक और आभिनिवेशिक मिथ्यात्व का वर्णन करें?

(घ) निक्षेप के प्रकार बताते हुए भाव निक्षेप को समझायें?

प्र.3 किन्हीं दो प्रश्नों के विस्तृत उत्तर लिखें – 20

(क) जैन आगमों में उपयोग शब्द का प्रयोग किस अर्थ में हुआ है? साकार उपयोग के प्रकारों के नाम व्याख्या सहित लिखिये।

(ख) व्यवहार के प्रकारों की व्याख्या करें।

(ग) समुद्घात किसे कहते हैं? समुद्घात के प्रकारों के बारे में बतायें?

(घ) द्रव्येन्द्रिय व भावेन्द्रिय की विस्तार पूर्वक व्याख्या करें।

तत्त्वचर्चा – 30

प्र.4 किन्हीं पंद्रह प्रश्नों का उत्तर दें – 15

(क) वनस्पति त्रस या स्थावर? (ख) षड् द्रव्य सावद्य या निरवद्य? (ग) पुण्य धर्म या अधर्म?

(घ) सामायिक पुण्य या पाप? (ड.) धर्म और धर्मी एक या दो?

(च) पुद्गलास्तिकाय रूपी या अरूपी? (छ) कर्म सावद्य या निरवद्य?

(ज) जीवास्तिकाय आज्ञा में या आज्ञा के बाहर? (झ) श्रावक में चारित्र कितने पाते हैं?

(ञ) मोक्ष सावद्य या निरवद्य? (ट) वृक्ष छः में कौन? नौ में कौन?

(ठ) संज्ञी मनुष्य में वेद कितने? (ड.) जीव हेय या उपादेय?

(ढ़) अरिहंत भगवान सूक्ष्म या बाहर? (ण) बंध धर्म या अधर्म? (त) सावद्य पुण्य या पाप?

(थ) हिंसा छः में कौन? नौ में कौन?

प्र.5 कोई तीन चर्चा लिखें – 15

(क) कर्म पर छह में नौ की चर्चा। (ख) सामायिक पर चर्चा। (ग) धर्मपर चर्चा।

(घ) नौ तत्त्व पर सावद्य–निरवद्य (ड.) छह द्रव्यों पर छह में नौ की चर्चा।

गीतिका – 20 (प्राणी समकित किण विध आई रे व दृढ़ समकित घर थोड़ला)

प्र.6 कोई तीन प्रश्न का उत्तर दें व पद्य भी लिखें? – 10

(क) ''प्राणी समकित किण विध आई रे'' गीतिका के आधार पर जीव किन–किन तत्त्वों को नहीं जानते हुए भी बहुत अहंकार करता है।

(ख) कौन सी करणी से पाप लगता है?

(ग) सभी व्यक्ति पण्डित नहीं होते?

(घ) सूत्रों के अनुसार सम्यक्त्व की प्राप्ति किस प्रकार होती है?

(ड़) शिवपुर के मार्ग कौन से हैं?

प्र.7 कोई दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 10

(क) 'सगला में .....डंक लगाई रे' (ख) 'करण, जोग.....नरक री सांई रे'

(ग) 'तीर्थंकर चक्रवर्त नी.....समकित जाण' (घ) 'हाड़ मिंजा.....त्यारों अवतार'